जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

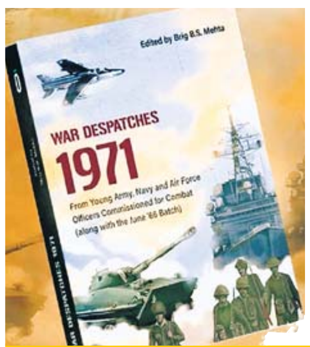

WAR DESPTCHES 1971

He recalls taking a Sikh officer to a hospital in Dhaka after the surrender and how a Pakistani nurse asked if it was safe for her to attend to the Sikh officer

Less Religion, More TV Monsters

Boosting Touch screen Accessibility

क्या बिखरने लगा है इंडिया गठबंधन?

शरद पवार, सीताराम येचुरी सहित तमाम बड़े नेता गठबंधन के भविष्य पर चिंता जता रहे हैं

- इधर गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी, कांग्रेस का सारा फोकस विधानसभा चुनावों पर है, जिनमें जीत हासिल होने पर पार्टी की ताकत बढ़ जाएगी और अन्य दलों को दबा पाएगी।
- गठबंधन के दो अन्य प्रमुख दल, आप और तृणमूल भी मुश्किल में हैं। आप के मुखिया केजरीवाल पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है, वहीं तृणमूल पार्टी के कई नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। विपक्षी पार्टियों का 5 माह पुराना गठबंधन इंडिया बिखराव की ओर है क्योंकि इसमें शामिल प्रमुख पार्टियों के नेता जैसे शरद पवार, सीताराम येचुरी, उमर अब्दुल्ला और अखिलेश आदि सभी गठबंधन में समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे हैं।

सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस इस पर ज्यादा चिंतित नहीं है वह अपनी ताकत दिखाने की तैयारी में है और वह इस माह होने वाले पांच विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश में है। दो अन्य मुख्य पार्टियां तृणमूल कांग्रेस और आप खुद कठिनाई में फंसी है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल और उनके विश्वस्त सहयोगियों के खिलाफ जांच एजेंसियां शराब घोटाले की जांच कर रही हैं। ममता बनर्जी की पार्टी की सांसद महुआ मोइत्रा पर आरोप लग रहा है कि, उन्होंने पैसे लेकर लोकसभा में प्रश्न उठाए। ममता ने महुआ के मामले में चुप्पी साध रखी है और उनकी पार्टी के नेताओं का कहना है कि वे हर तरह के भ्रष्टाचार के खिलाफ हैं और इसलिए महुआ को अपना बचाव खुद ही करना पड़ रहा है।

गठबंधन की कुछ पार्टियों के सूत्रों का कहना है कि वे इंडिया गठबंधन की कोई बैठक न होने से चिंतित है। अगर ऐसा होता तो गठबंधन के भागीदारों में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए आपसी समझ बनती।

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के मतभेद सार्वजनिक होने, मोइत्रा वाली घटना और केजरीवाल को ई.डी. का समन मिलने से वह आत्मविश्वास कम होने लगा है जो पटना, बेंगलुरू और मुंबई की तीन बैठकों के बाद पैदा हुआ था।

एन.सी.पी. सुप्रीमो शरद पवार ने गत शनिवार को कहा था कि, इंडिया गठबंधन के सदस्यों में राज्य स्तर पर मतभेद हो सकते हैं और यह भावना है कि वे चाहे विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ लड़े लेकिन लोकसभा चुनाव सबको मिलकर लड़ना चाहिए।

अखिलेश यादव ने हाल ही में सीटों के बंटवारे को लेकर कांग्रेस से नाराजगी जताई थी और कांग्रेस के नेता भी वाक् युद्ध में उलझ गए थे।

इंडिया गठबंधन में अंदरूनी मतभेद पर अब्दुल्ला के बयान पर एक प्रश्न के जवाब में सीताराम येचुरी ने कहा कि गठबंधन के अंदर यह भावना है कि गठबंधन का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सत्ता भाजपा के हाथ में न चली जाए।

येचुरी ने कहा, "हम चाहते हैं कि राज्यों में भी ऐसा होता। विधानसभा चुनाव में भी ज्यादा समन्वय और सहयोग होना चाहिए था जो 2024 में मददगार होता।"

ADMISSION CLOSING SOON for the Session 2023-24
BJMC
MJMC
Helpline : +91-8696218218
BIYANI GIRLS COLLEGE

सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद कमेटी की याचिका खारिज की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अंजुमन इंतज़ामिया मस्जिद कमेटी की वह याचिका खारिज कर दी जिसमें इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के प्रशासनिक निर्णय को चुनौती दी गई थी। चीफ जस्टिस ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद का केस सिंगल जज की बैंच से वापस लेने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ताजमहल असल में राजा मानसिंह का महल था'

हिन्दू सेना के इस दावे पर दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की राय मांगी

- हिन्दू सेना ने याचिका में दावा किया है कि, ताजमहल के इतिहास में गलत जानकारी है, इसे सही किया जाना चाहिए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक याचिका को लेकर आर्किऑलजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया (ए.एस.आई.) से ताजमहल के इतिहास की अस्पष्टताओं के बारे में पूछा है। याचिका में कोर्ट से मांग की गई है कि शाहजहां द्वारा ताज का निर्माण कराए जाने की कथित तथ्यात्मक गलत जानकारी को इतिहास की पुस्तकों से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अक्टूबर 2022 से सितम्बर 2023 के बीच लगभग एक लाख भारतीयों ने अमेरिका में घुसने की अवैध कोशिश की

यू.एस. कस्टम्स एवं बॉर्डर प्रोटैक्शन डेटा के अनुसार इनमें सबसे ज्यादा लोग पंजाब और गुजरात के हैं

- डेटा के अनुसार गत 5 सालों में अमेरिका में अवैध रूप से घुसने की कोशिश करने वाले लोगों की तादाद में पांच गुना वृद्धि हुई है।
- यह संख्या मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से खासतौर से बढ़ी है।
- पता चला है कि, ये लोग अमेरिका जाने के लिए जमीन, घर और जेवर बेच कर एजेन्टों को पैसा देते हैं।
- अमेरिका के सिनेटर जेम्स लैंकफर्ड ने बताया कि, इनमें से अधिकांश लोग तकरीबन चार फ्लाइट्स लेते हैं और फ्रांस से मैक्सिको जाते हैं, जो अमेरिका के एकदम करीब है और वहाँ से बस से अमेरिका में प्रवेश करते हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। पंजाब और गुजरात के निवासियों के लिए अमेरिका आज भी उनके ख्वाबों की मंजिल है। यू.एस. कस्टम्स एण्ड बॉर्डर प्रोटेक्शन के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर 2022 से सितम्बर 2023 के बीच 96,917 भारतीय अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करते पकड़े गए।

पिछले कुछ वर्षों में अवैध रूप से अमेरिका में घुसते हुए गिरफ्तार होने वाले भारतीयों की संख्या में पांच गुना इजाफा हुआ है।

2014 में मोदी सरकार आने के बाद जब देश में बेरोजगारी दर बढ़ने लगी तो ऐसे लोगों की संख्या भी तेजी से बढ़ने लगी।

अमेरिका जाने के इच्छुक अपनी जमीने बेचकर एजेंटों को भारी रकम देते हैं।

2019-20 में 19883 भारतीय पकड़े गए थे। 2020-21 में 30662 और 2021-22 में 63917 भारतीय गिरफ्तार हुए। अक्टूबर 2022 से सितम्बर 2022 के बीच पकड़े गए 96917 भारतीयों में से अधिकांश पंजाब और गुजरात से हैं इनमें से 30010 कनाडा की सीमा पर पकड़े गए और 41770 मैक्सिको की सीमा पर। गिरफ्तार लोगों को चार श्रेणियों में बांटा जा सकता है-बड़ों के साथ जाने वाले नाबालिग, एक पारिवारिक इकाई के व्यक्ति, अकेले वयस्क और बिना वयस्कों के साथ वाले बच्चे। इनमें सबसे ज्यादा अकेले वयस्क हैं। वित्तीय वर्ष 2023 में 84000 भारतीय वयस्कों ने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया। गिरफ्तार लोगों में 730 अकेले नाबालिग थे। अमेरिका की संघीय सरकार का वित्तीय वर्ष 1 अक्टूबर से 30 सितम्बर तक होता है।

इस बीच सीनेटर जेम्स लैंकफोर्ड ने गुरूवार को सीनेट में कहा कि ये लोग चार उड़ानों से यात्रा करते हैं। पहले वे लोग फ्रांस जैसे देशों में जाते हैं, फिर वहां से मैक्सिको के सबसे नजदीकी हवाई अड्डे पर पहुंचते हैं और वहां गिरोहों द्वारा उपलब्ध करवाई गई बसों से अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं।

लैंकफोर्ड ने कहा, "इस साले में अब तक भारत से 45000 लोग हमारी दक्षिणी सीमा तक पहुंचे, गिरोहों को पैसा दिया और हमारे देश में घुस गए।"